# সহীহ সাধারণ কুরআন তিলাওয়াত

# ও

# অনুবাদ শিক্ষা

# ক্লাস-০৫

# কাসরা ক্বসীরাহ

# রিভিশন

# কাসরা ক্বসীরাহ

## (হ্রস্ব স্বরবর্ণ)

## হ্রস্ব স্বরবর্ণ (হারাকাত ক্বাসীরাহ) ৩টি–

| নাম | | বাংলা প্রতিচিহ্ন |
|---|---|---|
| ১. ফাতহা ক্বসীরাহ | ـَ | আ-কার ( া ) |
| ২. কাসরা ক্বসীরাহ | ـِ | ই-কার ( ি ) |
| ৩. যম্মা ক্বসীরাহ | ـُ | উ-কার ( ু ) |

# কাসরা কুসীরাহ
# (কাসরা হ্রস্ব স্বরবর্ণ)

কাসরা অর্থ ভেঙ্গে যাওয়া

স্বরবর্ণটিকে (হারাকাত) কাসরা বলার কারণ : এটি উচ্চারণ করার সময় নিচের ঠোঁটটি নিচের দিকে ভেঙ্গে আসে

তাই, “কাসরা ক্বসীরাহ”-এর সংজ্ঞা হলো– যে স্বরবর্ণ উচ্চারণের সময় নিচের ঠোঁট নিচের দিকে ভেঙ্গে যায় এবং টান ছাড়া পড়তে হয়

# “কাসরা ক্বসীরাহ”-এর আকৃতি : ـِ

“কাসরা ক্বসীরাহ”-এর উচ্চারণ : এটি বাংলা ই-কারের ( ি ) মত উচ্চারিত হয়

এটির উচ্চারণ এ-কারের (ে ) মত করা সঠিক নয়

এ-কারের ব্যবহার উর্দু ও ফার্সী ভাষাতে থাকলেও আরবিতে নেই

কাসরা যে হরফের নিচে থাকে তাকে “মাকসূর” (কাসরাযুক্ত হরফ বলে)।

[উর্দু-ফার্সীতে কাসরাকে যের বলে। যের অর্থ নিচে। এটি হরফের নিচে হয় তাই যের বলা হয়।]

أَفَلَا يَتَدَبَّرُونَ الْقُرْآنَ أَمْ عَلَىٰ قُلُوبٍ أَقْفَالُهَا

LEARN THE QUR'AN

QUR'AN RESEARCH FOUNDATION

# কাসরা ক্বসীরাহ যুক্ত ব্যঞ্জনবর্ণের উচ্চারণ

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| خِ | حِ | جِ | ثِ | تِ/ةِ | بِ | أِ |
| খি | হি | জি | ছি | তি | বি | ই |
| صِ | شِ | سِ | زِ | رِ | ذِ | دِ |
| স্বি | শি | সি | জ্বি | রি | যি | দি |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| قِ | فِ | غِ | عِ | ظِ | طِ | ضِ |
| ক্বি | ফি | গি | ‘য়ি | যি | ত্বি | যি |
| يِ | هِ/ هِـ | وِ | نِ | مِ | لِ | كِ |
| ইয়ি | হি | বি | নি | মি | লি | কি |

أَفَلَا يَتَدَبَّرُونَ الْقُرْآنَ أَمْ عَلَىٰ قُلُوبٍ أَقْفَالُهَا

LEARN THE QUR'AN

QUR'AN RESEARCH FOUNDATION

# কাসরা ক্বসীরাহ যুক্ত ব্যঞ্জনবর্ণের বানান

| অক্ষর | বানান | উচ্চারণ |
|---|---|---|
| ا | বাংলা : হামজা ই-কার ( ি ) | أِ (ই) |
| | আরবী : أ কাসরা ক্বসীরাহ ( ـِ ) | |
| ب | বাংলা : বা ই-কার ( ি ) | بِ (বি) |
| | আরবী : ب কাসরা ক্বসীরাহ ( ـِ ) | |

| অক্ষর | বানান | উচ্চারণ |
|---|---|---|
| ت/ة | বাংলা : তা ই-কার ( ি )<br>আরবী : ت/ة কাসরা ক্বসীরাহ (ـِ) | تِ/ةِ (তি) |
| ث | বাংলা : ছা ই-কার ( ি )<br>আরবী : ث কাসরা ক্বসীরাহ (ـِ) | ثِ (ছি) |

| অক্ষর | বানান | উচ্চারণ |
|---|---|---|
| ج | বাংলা : জা ই-কার ( ি ) | جِ (জি) |
| | আরবী : ج কাসরা  ক্বসীরাহ ( ـِ ) | |
| ح | বাংলা : হা ই-কার ( ি ) | حِ (হি) |
| | আরবী : ح কাসরা  ক্বসীরাহ ( ـِ ) | |

| অক্ষর | বানান | উচ্চারণ |
| --- | --- | --- |
| خ | বাংলা : খ ই-কার ( ি ) | خِ (খি) |
| | আরবী : خ কাসরা কুসীরাহ ( ِ ) | |
| د | বাংলা : দাল ই-কার ( ি ) | دِ (দি) |
| | আরবী : د কাসরা কুসীরাহ ( ِ ) | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| خِ | حِ | جِ | ثِ | تِ/ةِ | بِ | أِ |
| খি | হি | জি | ছি | তি | বি | ই |
| صِ | شِ | سِ | زِ | رِ | ذِ | دِ |
| স্বি | শি | সি | জ্বি | রি | যি | দি |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| قِ | فِ | غِ | عِ | ظِ | طِ | ضِ |
| ক্বি | ফি | গি | ‘য়ি | যি | ত্বি | যি |
| يِ | هِ / هِـ | وِ | نِ | مِ | لِ | كِ |
| ইয়ি | হি | বি | নি | মি | লি | কি |

أَفَلَا يَتَدَبَّرُونَ الْقُرْآنَ أَمْ عَلَىٰ قُلُوبٍ أَقْفَالُهَا

LEARN THE QUR'AN

QUR'AN RESEARCH FOUNDATION

# কাসরা ক্বসীরাহ যুক্ত শব্দের উদাহরণ

| শব্দ | বাংলা উচ্চারণ | শব্দ | বাংলা উচ্চারণ |
|---|---|---|---|
| رَكِبَ | রকিবা | فَهِمَ | ফাহিমা |
| نَدِمَ | নাদিমা | لَعِبَ | লায়িবা |

أفلا يتدبرون القرآن أم على قلوب أقفالها

LEARN THE QUR'AN

QUR'AN RESEARCH FOUNDATION

# অনুশীলন

সুরা ফাতহ/৪৮ : ২৯

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| مُّحَمَّدٌ | رَّسُولُ | اللَّهِ | ◌ۚ | وَالَّذِينَ | مَعَهُ | أَشِدَّاءُ |
| عَلَى | الْكُفَّارِ | رُحَمَاءُ | بَيْنَهُمْ | ◌ۖ | تَرَاهُمْ | رُكَّعًا |
| سُجَّدًا | يَبْتَغُونَ | فَضْلًا | مِّنَ | اللَّهِ | وَ | رِضْوَانًا |
| ◌ۖ | سِيمَاهُمْ | فِي | وُجُوهِهِم | مِّنْ | أَثَرِ | السُّجُودِ |
| ◌ۚ | ذَٰلِكَ | مَثَلُهُمْ | فِي | التَّوْرَاةِ | ◌ۚ | وَمَثَلُهُمْ |
| فِي | الْإِنجِيلِ | كَزَرْعٍ | أَخْرَجَ | شَطْأَهُ | فَآزَرَهُ | فَاسْتَغْلَظَ |
| فَاسْتَوَىٰ | عَلَىٰ | سُوقِهِ | يُعْجِبُ | الزُّرَّاعَ | لِيَغِيظَ | بِهِمُ |
| الْكُفَّارَ | ◌ۗ | وَعَدَ | اللَّهُ | الَّذِينَ | آمَنُوا | وَعَمِلُوا |
| الصَّالِحَاتِ | مِنْهُم | مَّغْفِرَةً | وَأَجْرًا | عَظِيمًا | | |

# কুরআন অনুবাদ শিক্ষা

# রিভিশন

# سُورَةُ النَّاسِ

## সুরা নাস প্রথম ৩ আয়াত

| |
|---|
| أَعُوْذُ باللّه مِنَ الشَّيْطان الرَّجِيْمِ |
| আমি অভিশপ্ত শয়তান থেকে আল্লাহর নিকট আশ্রয় চাচ্ছি |

| |
|---|
| بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ |
| পরম দয়ালু ও করুণাময় আল্লাহর নামে (আরম্ভ করছি) |

قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ النَّاسِ

| | | | |
|---|---|---|---|
| النَّاسِ | بِرَبِّ | أَعُوذُ | قُلْ |
| মানুষের | রবের নিকট | আমি আশ্রয় চাই | বল |
| বল আমি আশ্রয় চাই মানুষের রবের নিকট | | | |

| |
|---|
| قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ النَّاسِ |
| বল আমি আশ্রয় চাই মানুষের রবের নিকট |

مَلِكِ النَّاسِ

| | |
|---|---|
| النَّاسِ | مَلِكِ |
| মানুষের | মালিক |

| |
|---|
| مَلِكِ النَّاسِ |
| মানুষের মালিকের (নিকট) |

إِلَـٰهِ النَّاسِ

| | |
|---|---|
| النَّاسِ | إِلَٰهِ |
| মানুষের | ইলাহের |

إِلَـٰهِ النَّاسِ

মানুষের ইলাহের নিকট

धन्यवाद
مع السلامة